क्या सभी पाप एक समान होते हैं? क्या सच में बड़े और छोटे पाप
होते हैं?

प्रश्न: मैं समझना चाहता हूँ—क्या बाइबल के अनुसार बड़े और छोटे पाप जैसी कोई बात है? यदि नहीं, तो क्या एक हत्यारा और एक व्यक्ति जो सिर्फ किसी का अपमान करता है—दोनों को एक जैसा दण्ड मिलेगा?

उत्तर: बाइबिल के अनुसार—पाप तो पाप है

हम चाहे किसी पाप को बड़ा कहें या छोटा, परमेश्वर की दृष्टि में हर पाप उसकी पवित्र व्यवस्था का उल्लंघन है और मनुष्य को उससे दूर कर देता है (यशायाह 59:2)।
बाइबिल यह सिखाती है कि कोई भी पाप—भले हमें छोटा लगे—हमें परमेश्वर के सामने दोषी ठहराता है।

याकूब 2:10–11 में लिखा है:

“क्योंकि जो सारी व्यवस्था का पालन करता है, पर एक बात में
चूक जाता है, वह सब में अपराधी ठहरता है। क्योंकि जिसने कहा, ‘व्यभिचार न करना,’ उसने यह भी कहा, ‘हत्या न करना।’ इसलिए यदि तू व्यभिचार नहीं करता, पर हत्या करता है, तो व्यवस्था का अपराधी ठहरता है।”

क्या सभी पाप एक समान होते हैं? क्या सच में बड़े और छोटे पाप
होते हैं?

इसका अर्थ यह है कि परमेश्वर की व्यवस्था पूर्ण है—इसे किसी खंड में तोड़ा नहीं जा सकता।
एक पाप भी इंसान को अपराधी बना देता है।

इसीलिए बाइबिल कहती है कि:

“सबने पाप किया है और सब परमेश्वर की महिमा से रहित हैं।” (रोमियों 3:23)

लेकिन—क्या हर पाप का दण्ड समान होता है?

नहीं। परमेश्वर न्यायी है, और उसका न्याय ज्ञान, समझ, और पाप की गंभीरता—इन सबको ध्यान में रखकर होता है।

यीशु ने स्वयं कहा कि—जिसे जितना अधिक ज्ञान दिया गया है, उसके लिए उतनी ही अधिक ज़िम्मेदारी है।

लूका 12:47–48 में प्रभु यीशु सिखाते हैं:

क्या सभी पाप एक समान होते हैं? क्या सच में बड़े और छोटे पाप
होते हैं?

“वह दास जिसने अपने स्वामी की इच्छा तो जान ली, पर तैयार
नहीं हुआ और न उसके अनुसार चला, वह बहुत मार खाएगा। लेकिन
जिसने नहीं जाना और ऐसी बातें कीं जो दण्ड के योग्य हैं, वह थोड़ा मार खाएगा।
जिसको बहुत दिया गया, उससे बहुत माँगा जाएगा; और जिसे बहुत सौंपा गया है, उससे और भी अधिक माँगा जाएगा।”

इससे एक बात स्पष्ट है:

जानबूझकर किया गया पाप अधिक कठोर दण्ड लाता है।
अज्ञानता में किया गया पाप भी पाप है, पर उसका दण्ड हल्का हो सकता है।

परमेश्वर समान न्याय नहीं करता—वह धर्म के अनुसार न्याय करता है।

अनन्तकाल के परिणाम के विषय में क्या?

हर पाप मनुष्य को परमेश्वर से अलग कर देता है। बाइबिल कहती है:

“पाप का मज़दूरी मृत्यु है।”

क्या सभी पाप एक समान होते हैं? क्या सच में बड़े और छोटे पाप
होते हैं?

(रोमियों 6:23)

लेकिन उसी पद का उत्तरार्ध आशा देता है:

“परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु यीशु मसीह में
अनन्त जीवन है।”

यानी—हर पाप अनन्त दण्ड के योग्य है, परन्तु यीशु मसीह में क्षमा और अनन्त जीवन उपलब्ध है।

निष्कर्ष

बाइबिल पापों को “बड़ा” और “छोटा” कहकर विभाजित नहीं करती—पाप, पाप है। परन्तु दण्ड और परिणाम ज्ञान, समझ, और गंभीरता के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। किसी भी पाप का समाधान सिर्फ एक है—यीशु मसीह में पश्चाताप और विश्वास।

क्या आपने अपना जीवन यीशु को सौंप दिया है?

ये अन्तिम दिन हैं। कोई नहीं जानता कि मृत्यु कब आएगी।

क्या सभी पाप एक समान होते हैं? क्या सच में बड़े और छोटे पाप होते हैं?

आज यदि आपका जीवन समाप्त हो जाए—आपकी आत्मा कहाँ जाएगी?

यीशु के पास आइए। पश्चाताप कीजिए। क्षमा पाइए।
और अनन्त जीवन का वरदान ग्रहण कीजिए।

परमेश्वर आपको आशीष दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp